संतान प्राप्ति और कुंडली विश्लेषण

Pooja Gaikwad · जन्म तिथि: 1993-09-17 06:50 · Pune, Maharashtra & **Swapnil Gaikwad** · जन्म तिथि: 1990-02-28 13:15 · Pune, Maharashtra · **रिपोर्ट भाषा:** हिंदी / Hindi (HI)
निर्मिति दिनांक: 12 Sep 2026, 10:50 AM

☀️ प्रमुख ज्योतिषीय निष्कर्ष:
पत्नी का गर्भाधान आधार स्कोर 3.8/10 तथा पति का बीज बल 8.2/10 है। संतान गोपाल मंत्र के साथ अनुकूल गोचर काल उपस्थित है।

खंड १: युगल जन्म विवरण एवं पारंपरिक पंचांग पुस्तिका

🌸 पत्नी का जन्म विवरण (क्षेत्र)

नाम	**Pooja Gaikwad**
जन्म तिथि	1993-09-17
समय एवं जन्मस्थान	06:50 (Pune, Maharashtra)
राशि / लग्न	मकर / धनु
विक्रम संवत / शक	2054 / 1919
मास एवं पक्ष	फाल्गुन (कृष्ण)
गण / योनि / नाड़ी	मनुष्य / नकुल / अंत्य
रिपोर्ट भाषा	**हिंदी / Hindi (HI)**

🌿 पति का जन्म विवरण (बीज)

नाम	**Swapnil Gaikwad**
जन्म तिथि	1990-02-28
समय एवं जन्मस्थान	13:15 (Pune, Maharashtra)
राशि / लग्न	कुंभ / सिंह
विक्रम संवत / शक	2049 / 1914
मास एवं पक्ष	ज्येष्ठ (कृष्ण)
गण / योनि / नाड़ी	मनुष्य / सिंह / आद्य
रिपोर्ट भाषा	**हिंदी / Hindi (HI)**

📜 पंचांग विवरण (तिथि, नक्षत्र, योग एवं समाप्ति समय)

व्यक्ति	पंचांग तत्व	वर्तमान मान	समाप्ति समय	अगला तत्व
Pooja Gaikwad	तिथि	नवमी	10:18	कृष्ण दशमी
	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा चरण २	15:54	श्रावण
	योग	शिव	12:23	सिद्ध
Swapnil Gaikwad	तिथि	सप्तमी	00:51	कृष्ण अष्टमी
	नक्षत्र	पूर्व भाद्रपद चरण २	03:48	उत्तर भाद्रपद
	योग	आयुष्मान	01:26	सौभाग्य

खंड २: पत्नी की जन्म कुंडली विश्लेषण (D-1 लग्न, D-7 सप्तांश एवं D-9 नवांश)

🌸 पत्नी का गर्भाधान सामर्थ्य (क्षेत्र बल)

गर्भाधान स्कोर: 3.8/10 (कर्म बाधा / उपाय आवश्यक)

पंचम भाव गर्भाधान एवं संतान का नैसर्गिक केंद्र है, जबकि देवगुरु बृहस्पति संतानकारक ग्रह हैं। सप्तांश (D-7) कुंडली सूक्ष्म स्तर पर संतान प्राप्ति के कर्म और सामर्थ्य को दर्शाती है।

पत्नी की लग्न कुंडली (D-1)

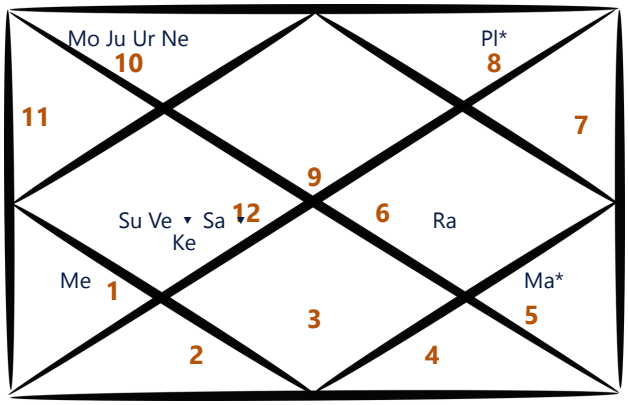

ग्रह संकेत: ▾ अस्त * वक्री

पत्नी की सप्तांश कुंडली (D-7)

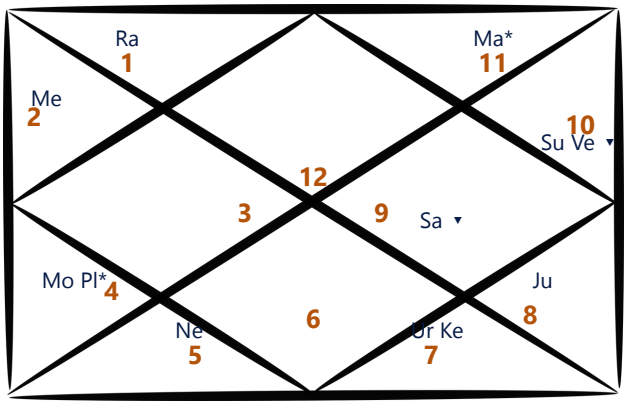

ग्रह संकेत: ▾ अस्त * वक्री

पत्नी की नवांश कुंडली (D-9)

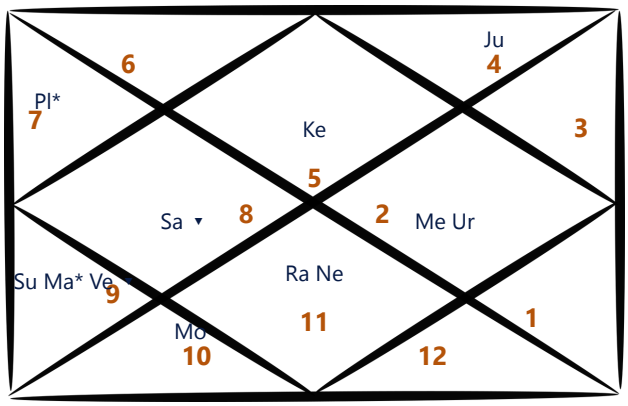

ग्रह संकेत: ▾ अस्त * वक्री

🌸 नवांश (D-9) सूक्ष्म फलादेश

नवांश कुंडली वैवाहिक भाग्य, धर्म और गर्भधारण में सूक्ष्म ग्रह फल को दर्शाती है। लग्न पंचमेश नवांश कुंडली में किस राशि एवं भाव में स्थित है, उससे संतान प्राप्ति का अंतिम भाग्य निश्चित होता है।

नवांश लग्न: सिंह

पंचम भाव राशि एवं स्वामी	**मेष** (स्वामी: मंगल) - लग्न (D-1) कुंडली में 9वें भाव में और नवांश (D-9) कुंडली में 5वें भाव (धनु राशि) में स्थित।
बृहस्पति (पुत्रकारक) स्थिति	**नीच (कमजोर / शांति आवश्यक)** (स्थान 2) - **सूर्य अस्त से मुक्त, दैवीय कृपा और शुभ संतान योग प्रदान कर रहा है।**
D-7 सप्तांश कुंडली समन्वय	सप्तांश लग्न: मीन (स्वामी: बृहस्पति)। लग्न पंचमेश सप्तांश कुंडली में 12वें भाव में स्थित है। सप्तांश कुंडली में ५वां भाव कर्क राशि में आता है।
पंचम भाव पर ग्रहों का प्रभाव	✓ पंचम भाव पर कोई गंभीर पाप प्रभाव नहीं है, संतान प्राप्ति हेतु अनुकूल।

खंड ३: पति की जन्म कुंडली विश्लेषण (D-1 लग्न, D-7 सप्तांश एवं D-9 नवांश)

🌿 पति का बीज बल एवं कुल वंश सामर्थ्य (बीज)

बीज सामर्थ्य: 8.2/10 (उत्तम एवं बलिष्ठ)

पुरुष कुंडली में शुक्र ग्रह वीर्य और शुक्र धातु का प्रतिनिधित्व करता है, मंगल ग्रह शारीरिक ऊर्जा एवं रक्त बल को नियंत्रित करता है, जबकि नवम भाव कुल वंश और पितृ कर्म को दर्शाता है।

पति की लग्न कुंडली (D-1)

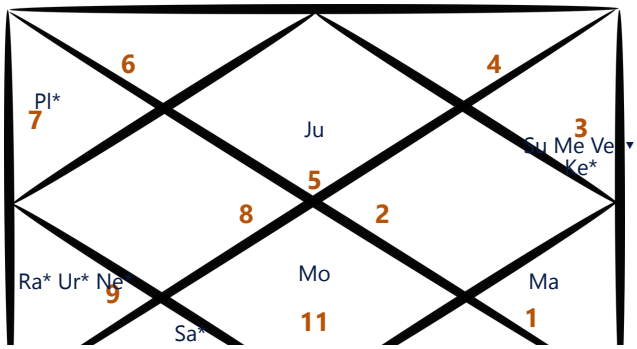

पति की सप्तांश कुंडली (D-7)

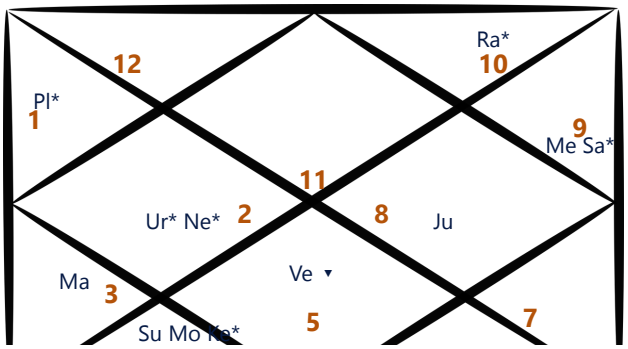

ग्रह संकेत: ▼ अस्त * वक्री

ग्रह संकेत: ▼ अस्त * वक्री

पति की नवांश कुंडली (D-9)

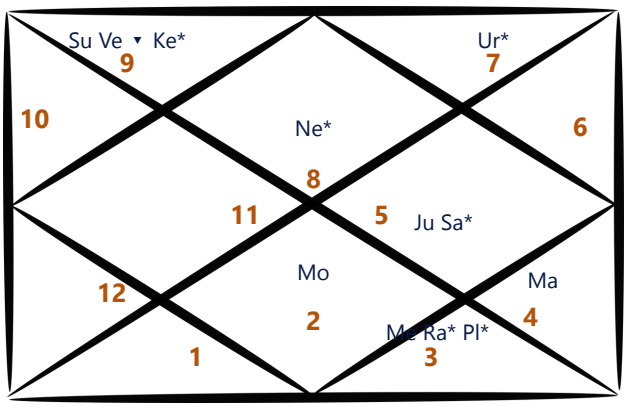

ग्रह संकेत: ▼ अस्त * वक्री

🌿 नवांश (D-9) कुल एवं वीर्य सामर्थ्य

पति की नवांश कुंडली में पंचम भाव तथा गुरु-शुक्र की स्थिति वंश वृद्धि और बीज की आंतरिक क्षमता को दर्शाती है। नवांश बल अनुकूल होने पर संतान प्राप्ति निर्विघ्न होती है।

नवांश लग्न: वृश्चिक

पंचम भाव एवं बृहस्पति स्थिति	पंचम राशि: धनु (स्वामी: बृहस्पति, भाव 1)। बृहस्पति 1वें भाव में स्थित है।
शुक्र ग्रह (शुक्र धातु एवं बीज ऊर्जा)	शुक्र मिथुन (भाव 11) में स्थित होकर शुक्र धातु एवं वीर्य बल को नियंत्रित करता है।
मंगल ग्रह (शारीरिक सामर्थ्य एवं तेज)	मंगल मेष (भाव 9) में स्थित होकर शारीरिक ऊर्जा और रक्त प्रवाह को बल देता है।
नवम भाव (कुल वंश एवं पितृ परीक्षण)	नवम राशी: **मेष** (स्वामी: मंगल). **स्थिती::** शुभ एवं निर्दोष ✓ पूर्वज कुल सामंजस्यपूर्ण है; कोई गंभीर पितृ दोष या बाधा नहीं है।

खंड ४: आपसी सप्तांश सामंजस्य एवं शुभ गर्भाधान कालखंड

🤝 आपसी सप्तांश (D-7) सामंजस्य **सप्तांश संबंध अक्ष: 12/2**

उपाय एवं संयम अपेक्षित (सप्तांश संबंध में धैर्य और संतान गोपाल अनुष्ठान आवश्यक).

⏳ शुभ गर्भाधान कालखंड (बृहस्पति गोचर एवं दशा समन्वय)

शुभ काल	ज्योतिषीय अनुकूलता	ग्रह गोचर एवं दशा फल
प्रथम शुभ काल: 2026 (बृहस्पति गोचर अनुकूल)	**अत्यधिक अनुकूल (उच्च संभावना)**	देवगुरु बृहस्पति का शुभ गोचर पंचम एवं नवम भाव को सक्रिय कर रहा है, जो गर्भाधान हेतु अत्यंत श्रेष्ठ समय है।
द्वितीय शुभ काल: 2027 (सप्तांश एवं कुल वृद्धि योग)	**अनुकूल कालखंड**	दोनों जातकों की अंतर्दशा में केंद्र एवं त्रिकोण स्वामियों का अनुकूल प्रभाव रहेगा, जिससे संतान प्राप्ति के प्रबल योग बनेंगे।
तृतीय शुभ काल: 2028 (स्वर्ण संतान प्राप्ति काल)	**स्वर्ण काल (अत्यंत शुभ योग)**	गुरु-शुक्र की संयुक्त शुभ दृष्टि पूर्व संचित कर्म बाधाओं को दूर कर स्वस्थ संतान की प्राप्ति सुनिश्चित करती है।

खंड ५: प्रामाणिक वैदिक उपाय एवं जीवनशैली निर्देश

🕉️ प्राचीन संतान प्राप्ति महामंत्र 🕉️

ॐ देवकीसुत गोविंद वासुदेव जगत्पते ।
देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गतः ॥

"Om Devaki-suta Govinda Vasudeva Jagatpate | Dehi Me Tanayam Krishna Tvam-aham Sharanam Gatah ||"

जप विधि एवं नियम: प्रतिदिन सूर्योदय के समय पूर्व दिशा की ओर मुख करके तुलसी माला से १०८ बार जप करें। पति-पत्नी दोनों एक साथ बैठकर जप करें तो अति शीघ्र फल प्राप्त होता है।

उपाय श्रेणी	शास्त्रोक्त विधि एवं मार्गदर्शन
संतान गोपाल महामंत्र जप अनुष्ठान	प्रतिदिन सूर्योदय के समय पूर्व दिशा की ओर मुख करके तुलसी की माला से 108 बार जाप करें। दोनों पति-पत्नी मिलकर जाप करें तो विशेष फल मिलता है।
बृहस्पति शांति एवं गौ सेवा विधान	गुरुवार के दिन गाय को भीगी हुई चने की दाल, गुड़ और थोड़ी हल्दी मिलाकर खिलाएं। भगवान विष्णु को पीले पुष्प अर्पित करें।
शुक्र सामंजस्य एवं पितृ दान विधान	प्रत्येक अमावस्या को जरूरतमंदों को भोजन, शुद्ध जल और श्वेत मिष्ठान का दान करें, जिससे पितृ दोष का शमन होता है।
आयुर्वेदिक जीवनशैली एवं गर्भाधान मुहूर्त नियम	रिक्ता तिथियों (चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी) और ग्रहण के दिनों में गर्भाधान से बचें। शुक्ल पक्ष की द्वितीया, तृतीया, पंचमी, सप्तमी तिथियां अत्यंत शुभ हैं। सात्विक आहार ग्रहण करें।

अस्वीकरण: ये रिपोर्ट सॉफ्टवेयर द्वारा तैयार की गई हैं। व्यक्तिगत परामर्श के बिना इन्हें निजी सलाह न मानें। व्यक्तिगत अनुशंसा के लिए हमारी टीम से singastro.in@gmail.com अथवा +91-7040789003, +91-9730262437 पर संपर्क करें।